हिमाचल प्रदेश

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मात्रात्मक एवं गुणात्मक सूचकों पर आधारित है जिलों की ग्रेडिंग

जिला स्तर पर शिक्षा में गुणात्मक सुधार की मॉनीटरिंग हेतु टूल्स तैयार

प्रारंभिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के दृष्टिगत स्कूलों में आ रहे सुधार का निरंतर आकलन भी सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा किया जा रहा है तथा संकुल खण्ड व जिला स्तर पर तिमाही आधार पर ग्रेडिंग की जाती है। इस अंक में जिला स्तर पर ग्रेडिंग के लिए तैयार किए गए टूल्स की जानकारी दी जा रही है। जिला स्तर की ग्रेडिंग दो प्रकार के सूचकों पर आधारित होगी–मात्रात्मक सूचक एवं गुणात्मक सूचक।

मात्रात्मक सूचक

1. **वित्तीय प्रगति** **अंक**
क. (75-100)% 8
ख. (50-75)% 6
ग. (25-50)% 4
घ. (1-25)% 2
ङ. 0% 0

2. **अप्रयुक्त निधि** **अंक**
क. (0-10)% उपलब्ध निधि का 8
ख. (10-20)% 6
ग. (20-30)% 4
घ. (30-40)% 2
ङ. >0% 0

3. **रिकॉर्ड का रखरखाव**
क. कैश बुक निर्धारित फॉरमेट पर है, कैश बुक में जमा राशि एवं अधिशेष का प्रतिदिन रिकॉर्ड रखा जा रहा है, कैश/बैंक अधिशेष का कैश बुक से मिलान, कैश बुक में प्रविष्टियों का प्रति दिन सत्यापन एवं कैश बुक की प्रविष्टियों को संबंधित लेज़र्ज़ में दर्ज करना। 8
ख. कोई चार कार्य पूर्ण 6
ग. कोई तीन 4
घ. कोई दो 2
ङ. कैश बुक निर्धारित फॉरमेट में नहीं है, अपूर्ण है तथा लेजर सहित सही नहीं है 0

5. **बैंक मिलान**
क. पिछले माह तक पूर्ण 8
ख. पिछले दो माह से अपूर्ण 6
ग. पिछले तीन माह से अपूर्ण 4
घ. पिछले चार अथवा अधिक माह से अपूर्ण 0
ङ. पिछले पांच अथवा अधिक माह से अपूर्ण 0

5. **अकाउंट्स ऑडिट**
क. (80-100)% कुल ऑडिट पैरा में से पूर्व 8
ख. (60-80)% 6
ग. (40-60)% 4
घ. (20-40)% 2
ङ. >20% 0

6. **निर्माण कार्य (शुरुआत से अब तक पूर्ण)**
क. (80-100)% 8
ख. (70-80)% 6
ग. (50-70)% 4
घ. (25-50)% 2
ङ. >25% 0

7. **स्कूल न जाने वाले बच्चे (पहली से आठवीं कक्षा तक नामांकन का प्रतिशत)**
क. 0% 8
ख. (0-.5)% 6
ग. (.5-1)% 4
घ. (1.2)% 2
ङ. >2% 0

8. **स्कूल की मॉनीटरिंग**
क. >5% राज्य सरकार के कुल स्कूलों का 8
ख. (3-5)% 6
ग. (2-3)% 4
घ. (1.2)% 2
ङ. 0% 0

9. **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान छात्रावास प्रबन्धन**
क. लड़कों व लड़कियों के छात्रावासों में पुरुष व महिला वॉर्डन की व्यवस्था, शौचालय साफ-सफाई हैं, शुद्ध पेयजल, साफ-सुथरी मेस तथा संस्थान का बाहरी आकर्षण। 8
ख. अंतिम चार में से कोई तीन सूचक (प्रथम सूचक अनिवार्य) 6
ग. कोई दो 4
घ. कोई एक 2
ङ. कोई नहीं 0

गुणात्मक सूचक

10. **अध्यापन अधिगम सामग्री प्रयोगशाला** (TLM Lab)
क. टीएलएम लैब है, भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक-विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा विषयों के लिए अध्ययन सामग्री विकसित है, सामग्री का पाठ्यवस्तु से संबंध है, सामग्री कम से कम लागत में बनी है तथा सामग्री का प्रयोग अध्यापक प्रशिक्षण एवं कक्षा-कक्ष में किया जा रहा है। 8
ख. टीएलएम लैब है, गणित और विज्ञान विषयों के लिए ही अध्ययन सामग्री विकसित है, सामग्री का पाठ्यवस्तु से संबंध है, सामग्री कम से कम लागत में बनी है तथा सामग्री का प्रयोग अध्यापक प्रशिक्षण एवं कक्षा-कक्ष में सुनिश्चित नहीं किया गया है। 6
ग. टीएलएम लैब है, विज्ञान विषय के लिए ही अध्ययन सामग्री विकसित है, अध्ययन सामग्री का पाठ्यवस्तु से संबंध है, सामग्री निर्माण कम से कम लागत में हुआ है। 4
घ. टीएलएम लैब है, अध्ययन सामग्री सिर्फ एक विषय में विकसित है, अध्ययन सामग्री का पाठ्यवस्तु से संबंध और सामग्री निर्माण कम से कम लागत में सुनिश्चित नहीं किया गया है। 2
ङ. कोई नहीं 0

11. **अध्यापक प्रशिक्षण**
क. (90-100)% विगत वर्षों के लक्ष्यों की प्राप्ति, चालू वर्ष के लिए मॉड्यूल्ज़ तैयार, स्रोत व्यक्तियों का चयन, उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव, अन्य स्रोत सामग्री दी गई है, के अनुरूप अथवा दी जाने वाली है, तथा फीडबैक प्राप्ति 8
ख. (75-90)% विगत वर्षों के लक्ष्यों की प्राप्ति, चालू वर्ष के लिए मॉड्यूल्ज़ तैयार तथा उनका उपयोग किया जा रहा है लेकिन अध्यापकों के लिए किसी प्रकार की सामग्री नहीं दी गई और न ही फीडबैक लिया गया। 6
ग. (60-75)% विगत वर्षों के लक्ष्यों की प्राप्ति, चालू वर्ष के लिए मॉड्यूल्ज़ तैयार नहीं किए गए, अध्यापकों के लिए स्रोत सामग्री उपलब्ध है तथा फीडबैक लिया गया है। 4
घ. (50-60)% विगत वर्षों के लक्ष्यों की प्राप्ति, चालू वर्ष के लिए मॉड्यूल्ज़ तैयार नहीं किए गए, अध्यापकों के लिए स्रोत सामग्री भी उपलब्ध नहीं है लेकिन फीडबैक लिया गया है। 2
ङ. <50 % विगत वर्षों के लक्ष्यों की प्राप्ति, चालू वर्ष के लिए मॉड्यूल्ज़ तैयार नहीं किए गए, अध्यापकों के लिए स्रोत सामग्री भी उपलब्ध नहीं है और न ही फीडबैक लिया गया है। 0

12. **प्रभावी संबंध**
क. ऊपरी स्तर पर प्रभावी, अपने स्तर पर प्रभावी और निचले स्तर पर प्रभावी संबंध 8
ख. अपने स्तर पर प्रभावी और निचले स्तर पर प्रभावी लेकिन ऊपरी स्तर पर संबंधों में समस्या 6
ग. निचले स्तर पर प्रभावी संबंध लेकिन ऊपरी तथा अपने स्तर पर संबंधों में समस्या 4
घ. केवल ऊपरी स्तर पर प्रभावी संबंध 2
ङ. उपर्युक्त में से किसी भी स्तर पर संबंध प्रभावी नहीं 0

13. **डाईट मैनुअल के अनुसार स्रोत इकाइयों का गठन**
क. जिला स्रोत इकाइयां (अनुसंधान, पाठ्यचर्या सुधार इकाई आदि) विद्यमान हैं, अभियान की सफलता के लिए उनका परस्पर तालमेल तथा डाईट संबंधी फैक्टर 8
ख. जिला स्रोत इकाइयां विद्यमान लेकिन किसी प्रकार का परस्पर तालमेल नहीं 4
ग. कोई स्रोत इकाई नहीं 0

14. **समावेशित शिक्षा**
क. सुव्यवस्थित संसाधन कक्ष विद्यमान, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की खण्डवार सूची तैयार, शिविरों का आयोजन, आवश्यकताओं का आकलन तथा >75% विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को सहायक उपकरणों का आवंटन 8
ख. आवश्यक उपकरणों सहित संसाधन कक्ष विद्यमान, 50-75% विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए सहायक उपकरण आबंटित, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की खण्डवार सूची उपलब्ध। 6
ग. संसाधन कक्ष विद्यमान, लेकिन जरूरी उपकरणों का अभाव, 25-50% विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को सहायक उपकरण आवंटित, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की खण्डवार सूची उपलब्ध नहीं 4
ङ. संसाधन कक्ष विद्यमान नहीं, <25% विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को सहायक उपकरण आवंटित, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की खण्डवार सूची उपलब्ध नहीं 2

15. **विगत वर्षों में पूर्ण हुई रिसर्च स्टडी**
क. >10 8
ख. (7-10) 6
ग. (4-7) 4
घ. (1-4) 2
ङ. 0 0

16. **मॉडल लैसन्ज़**
क. 90% संकाय सदस्यों द्वारा प्रति व्यक्ति प्रति माह कम से कम दो लैसन्ज़ दिए गए 8
ख. (70-90)% 6
ग. (50-70)% 4
घ. (30-50)% 2
ङ. <30% 0

17. **पांचवी कक्षा में पास प्रतिशत 60% से अधिक अंक**
क. (80-100)% 8
ख. (60-80)% 6
ग. (40-60)% 4
घ. (20-40)% 2
ङ. <20% 0

18. **आठवीं कक्षा में पास प्रतिशत**
क. (60-100)% 8
ख. (50-60)% 6
ग. (40-50)% 4
घ. (30-40)% 2
ङ. <30% 0

19. **आठवीं कक्षा में पास प्रतिशत 60% से अधिक अंकों के साथ**
क. >50% 8
ख. (40-50)% 6
ग. (30-40)% 4
घ. (20-30)% 2
ङ. <20% 0

20. **कक्षा I-VIII में 80% से अधिक अंक लेने वाले छात्र**
क. परीक्षा में बैठे कुल छात्रों का 8 % से अधिक 8
ख. परीक्षा में बैठे कुल छात्रों का (6-8)% 6
ग. परीक्षा में बैठे कुल छात्रों का (4-6)% 4
घ. परीक्षा में बैठे कुल छात्रों का (1-4)% 2
ङ. 0% 0

21. **विगत वर्ष तक मैरिट आधार पर व्यावसायिक संस्थानों के लिए चयनित छात्र**
क. उच्च माध्यमिमक स्तर पर कुल नामांकित छात्रों का 3% से अधिक 8
ख. (2-3)% 6
ग. (1-2)% 4
घ. (0-1)% 2
ङ. 0% 0

22. **खण्ड स्रोत समन्वयकों की ग्रेडिंग**
क. सभी खण्डों की ग्रेडिंग की गई, प्रदर्शित की गई तथा उपलब्धि A+ (90-100)% रही 8
ख. सभी खण्डों की ग्रेडिंग की गई, प्रदर्शित नहीं की गई तथा उपलब्धि A (80-90)% रही 6
ग. खण्डों की ग्रेडिंग अधूरी, प्रदर्शित की गई है तथा उपलब्धि B+ (60-80)% रही 4
घ. खण्डों की ग्रेडिंग की गई है, प्रदर्शित की गई है तथा उपलब्धि B (40-60)% रही 2
ङ. खण्डों की ग्रेडिंग अधूरी है, प्रदर्शित नहीं की गई है तथा उपलब्धि C (40% से कम) रही 0

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत नवाचारी गतिविधियां

23. **सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत से लेकर अब तक लाभान्वित बालिकाएं**
क. कुल नामांकन का 90% से अधिक 8
ख. (80-90)% 6
ग. (70-90)% 4
घ. (50-70)% 2
ङ. <50% 0

24. **सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत से लेकर अब तक लाभान्वित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चे**
क. कुल नामांकन का 90% से अधिक 8
ख. (80-90)% 6
ग. (70-90)% 4
घ. (50-70)% 2
ङ. <50% 0

25. **विगत वर्षों तक कम्प्यूटर एडिड लर्निंग (CAL) में प्रगति**
क. >75% से अधिक चयनित स्कूलों में विषय विशेष CDs के माध्यम से अध्ययन 8
ख. 50-75 % से अधिक चयनित स्कूलों में विषय विशेष CDs के माध्यम से अध्ययन 6
ग. 25-50 % से अधिक चयनित स्कूलों में विषय विशेष CDs के माध्यम से अध्ययन 4
घ. 25-50 % से अधिक चयनित स्कूलों में विषय विशेष CDs के माध्यम से अध्ययन 2
ङ. कम्प्यूटर एडिड लर्निंग हेतु चयनित स्कूलों में विषय विशेष CDs के बिना अध्ययन 0

	प्रथम मूल्यांकन	द्वितीय मूल्यांकन	तृतीय मूल्यांकन
मूल्यांकन तिथि			
प्राप्त अंक			
जिला ग्रेड			
हस्ताक्षर मूल्यांकनकर्ता			

डाईस वीक

(District Information System for Education-Week)

1-7 अक्तूबर, 2009

सर्व शिक्षा अभियान, हिमाचल प्रदेश

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत राज्य की सभी पाठशालाओं (प्रारंभिक एवं माध्यमिक) के शैक्षणिक आंकड़े एकत्रित करने के लिए प्रथम अक्तूबर से सात अक्तूबर, 2009 तक 'डाईस/सेमिस वीक' (जिला शैक्षिक सूचना प्रणाली एवं माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली* सप्ताह) का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन का मूल उद्देश्य राज्य की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने और भावी योजनाएं बनाने में शैक्षणिक आंकड़ों की उपलब्धता सुनिश्चित बनाना है। आंकड़ों का एकत्रीकरण डाटा कैप्टर फारमेट के अनुरूप किया जाएगा जिसमें स्कूल संबंधी सुविधाओं, अध्यापकों की उपलब्धता, बच्चों का जाति, आयु एवं लिंगवार नामांकन, पांचवीं एवं आठवीं कक्षाओं के परिणाम, विशेष आवश्यकताओं वाले एवं स्कूल न जाने वाले बच्चों संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारी शामिल होगी।

इस दौरान सभी सरकारी, गैर सरकारी, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों के शैक्षिक आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे।

अतः सभी विद्यालयों के प्राचार्य/मुख्याध्यापकों से आग्रह है कि इस अभियान के दौरान सही एवं संपूर्ण सूचना 'डाटा कैप्चर फॉरमैट' पर भर कर सम्बन्धित खण्ड स्त्रोत समन्वयक / संकुल स्त्रोत समन्वयक को उपलब्ध करवाएं ताकि आंकड़ों को समय पर संबंधित जिला एवं राज्य स्तर पर संकलित किया जा सकें।

अधिक जानकारी के लिए निम्न पते पर संपर्क करें:

मिशन निदेशक (एस.एस.ए.)
एवं-निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा
निदेशालय, लालपानी, शिमला-1
हिमाचल प्रदेश

दूरभाष : 0177-2807105, 2658668
E-Mail spodpephp2@rediffmail.com

नोट :
- **डाईस** डाटा कैप्चर फारमेट प्रारंभिक स्तर की शैक्षिक सूचना एकत्रित करने के लिए है।
- **सेमिस** फारमेट माध्यमिक स्तर की शैक्षिक सूचना एकत्रित करने के लिए तैयार किया गया है।

* District Information System for Education/Secondary Education Management Information System

सर्वशिक्षा अभियान के सफल कार्यान्वयन में अग्रणी खण्ड

शिक्षा खण्ड घुमारवीं-प्रथम

जिला बिलासपुर के पांच खण्डों में से एक खण्ड है 'शिक्षा खण्ड घुमारवीं-प्रथम' जो जिला मुख्यालय से 21 किलोमीटर की दूरी पर सीर खड्ड के किनारे स्थित है। शिक्षा खण्ड घुमारवीं में 85 गांव तथा 34 पंचायतें हैं।

इस खण्ड में 106 प्राथमिक पाठशालाएं 23 संकुल स्रोत समन्वयक केन्द्रों के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त 13 वरिष्ठ माध्यमिक 8 उच्च व 29 माध्यमिक पाठशालाएं हैं और 34 निजी पाठशालाएं व एक निजी बीएड कालेज भी है। इस खण्ड में सरकारी पाठशालाओं में 6642 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जिनका पढ़ाई का जिम्मा 261 प्राथमिक व 220 प्रारम्भिक शिक्षकों द्वारा शिक्षित करके भावी जीवन सफर हेतु तैयार किया जा रहा है। खण्ड के सभी सरकारी व गैर सरकारी पाठशालाएं ग्रामीण क्षेत्र में भी कार्यरत हैं। इस खण्ड में कार्यरत व नई स्तरोन्नत पाठशालाओं में अतिरिक्त कमरों की कमी थी जिसे सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत वर्ष 2002 से 2008-09 तक 69 कक्षा कक्षों का निर्माण करवा कर इस समस्या से निजात पाई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त एक खण्ड स्रोत केन्द्र, 11 संकुल स्रोत केन्द्र, 100 छात्रा शौचालय, 16 पेयजल, 23 चार दिवारी का निर्माण एसएसए के अंतर्गत किया गया। खण्ड की सभी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक पाठशालाओं में मध्याह्न भोजन पकाने हेतु पाकशालाओं के लिए धनराशि आबंटित कर दी गई है। आधे से ज्यादा पाकशालाएं निर्मित कर दी गई हैं तथा कुछ निर्माणाधीन हैं, वे जल्दी ही तैयार हो जाएंगी। नई स्तरोन्नत प्रारम्भिक पाठशालाओं को शिक्षण अधिगम उपकरण खरीदने हेतु धनराशि दे दी गई है। तथा सभी 23 संकुल स्रोत केन्द्रों को फर्नीचर अनुदान व पुस्तकालय पुस्तकों का आवंटन किया गया है तथा किसी-किसी संकुल स्रोत केन्द्र में शिक्षण अधिगम सामग्री व पुस्तकालय कोना स्थापित किए गए हैं जिनका उपयोग बच्चे स्वयं करके लाभान्वित हो रहे हैं।

शिक्षा खण्ड घुमारवीं-प्रथम में वर्ष 2004 से सभी पाठशालाओं में एक ही समय सारिणी के अंतर्गत शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है तथा बच्चों के मूल्यांकन हेतु नई पद्धति सतत् समग्र मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। जो एक अच्छा कदम है। ये बच्चे के अधिगम स्तर को दर्शाता है तथा उन्हें अपनी विभिन्न क्षमताओं को विकसित करने का पर्याप्त अवसर प्रदान कर रहा है।

शिक्षण अधिगम सामग्री टीएलएम के लिए सभी अध्यापकों को हर वर्ष 500 रुपये का अनुदान दिया जाता है जिससे शिक्षण अधिगम सामग्री बच्चों द्वारा

अध्यापकों के सहयोग से तैयार करके शिक्षण प्रक्रिया को सरल व रोचक बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत खण्ड में सामुदायिक सहभागिता तथा पाठशाला में उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त करने हेतु ग्राम शिक्षा समिति को हर वर्ष दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। जिसमें खण्ड स्रोत समूह, संकुल स्रोत समूह, मातृ अध्यापक संघ, शक्ति समूह व शिक्षा क्षेत्र से सेवानिवृत्त अनुभवी शिक्षकों के सहयोग से प्रशिक्षण को पूर्ण किया जाता है।

पाठशालाओं में चलाई जा रही मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत बच्चों को शुद्ध पौष्टिक व ताजा भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना के संचालन में लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। कई पाठशालाओं में बच्चों को खाना खाने के लिए थाली, गिलास उपलब्ध करवाये गए हैं।

खण्ड में चिन्हित किए गए 30 गम्भीर रूप से अक्षम बच्चों (CWSN) में से कुछ निजी एक संस्था 'चेतना' जो बिलासपुर में स्थित है, को सौंपे गये हैं तथा कुछ अन्य बच्चे खण्ड में जो अक्षमता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश भुज विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापकों की देखरेख में अपने-अपने घर पर आधारित शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पाठशालाओं में नामांकित बच्चों के लिए भी समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का सरकारी, गैर सरकारी तथा सीआरसी सुंदरनगर द्वारा आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में जांच के अलावा अक्षमता प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक उपकरण जैसे व्हील चेयर, ऐनक, श्रवण यंत्र, बैसाखी इत्यादि आवश्यकतानुसार प्रदान किए जाते हैं

इन बच्चों हेतु विशेष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन खण्ड स्तर पर किया जाता है। खण्ड के अंतर्गत सभी पाठशालाओं में ग्राम शिक्षा पंजिका बनाई गई है जिसमें 0-14 वर्ष तक के पाठशालाओं में आने वाले सभी बस्तियों से संबंधित बच्चों का नामांकन अनिवार्य से किया गया है ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के क्षेत्र में वंचित न रहें तथा सभी बच्चे जो किसी भी पाठशाला क्षेत्र में रह रहे संबंधित पाठशाला में अवश्य नामांकित है।

खण्ड में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत बालिका शिक्षा में सुधार हेतु सभी बालिकाओं को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, 320 शिक्षा किट व उच्च प्राथमिक छात्राओं को साइकल व दक्षता शिक्षा प्रदान की जा रही है। अभियान के अंतर्गत कार्यरत सभी शिक्षकों को प्रति वर्ष नियमित रूप से निर्धारित प्रशिक्षण सौ प्रतिशत लक्ष्य को पूर्ण किया जाता है। अडैप्ट्स (ADEPTS) की जानकारी खण्ड में सभी अध्यापकों/संकुल स्रोत समन्वयक, खण्ड स्रोत समन्वयक स्तर पर काम करने वाले सभी व्यक्तियों के लिए प्राप्त मानक व मापदण्ड निर्धारित किए हैं ताकि उनकी कार्य प्रणाली में व्यापक सुधार लाया जा सके।

बाल मेलों का आयोजन संकुल स्तर तथा खण्ड स्तर पर प्रति वर्ष किया जाता है। इसमें प्रथम दिन अध्यापक व बच्चों द्वारा निर्मित शिक्षण अधिगम सामग्री को प्रदर्शित किया जाता है। दूसरे दिन चित्रकला, भाषण, निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तर तथा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। आईआरडीपी परिवारों की लड़कियों व अक्षम बच्चों के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन भी हर वर्ष किया जाता है तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर ले जा कर वहां के ऐतिहासिक तथा धार्मिक महत्त्व की जानकारी दी जाती है।

कमल राज वर्मा, बीआरसीसी (प्रा.)
शिक्षा खण्ड घुमारवीं-प्रथम, बिलासपुर, हि. प्र.

शिक्षक-सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले इस वर्ष 5 सितंबर को राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कारों से सम्मानित शिक्षकों को सर्व शिक्षा अभियान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। हम आशा करते हैं कि सभी सम्मानित शिक्षक इसी प्रकार पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करते रहेंगे। प्रारंभिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से सर्व शिक्षा अभियान के प्रयासों को सफल बनाने में भी आपका योगदान अपेक्षित है।

शुभकामनाओं सहित।

मिशन निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान

पाठकों से...

in'k d foføkUu ftyk e ^[k.M Lrj ij lo f'k{kk vfHk;ku dh xfrfof/k;k ,o miyfC/k;k* 'kh"kd l ;g dkye fu;fer :i l idkf'kr fd;k tk jgk g ftldh gj dMh e ,d u;k f'k{kk [k.M 'kkfey gkxkA [k.M Lkr leUo;d viu [k.M dh foføkUu xfrfofèk;k ,o miyfC/k;k dk QkVk lfgr gekj ir ij Hkt ldr gA

bld vfrfjDr v/;kidk] f'k{kkfonk] f'k{kk'kkfL=;k ,o lekt dcf) thfo;k l Hkh ikjfHkd f'k{kk lcèkh foføkUu y[k@jpuk, bl i"B gr fuEu ir ij vkef=r gA

राजेश शर्मा
राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय (सर्व शिक्षा अभियान),
डी.पी.ई.पी.भवन, लाल पानी, शिमला-171001
दूरभाष : 2658668, फैक्स : 2808624

प्रस्तुति : ज्योति रावत